राष्ट्रीय संगोष्ठी

महिला सशक्तिकरण और मीडिया

फरवरी 22–23, 2020

शोधपत्र का शीर्षक: .....

.....

.....

नाम: .....

पद: .....

शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे: (1) हां (2) नहीं

पत्राचार का पता: .....

.....

.....

ठहरने की व्यवस्था चाहिए: (1) हां (2) नहीं

मोबाइल नंबर: .....

ईमेल आईडी: .....

पंजीयन शुल्क:.....

हस्ताक्षर

आवश्यक दिशानिर्देश:

1. शोधपत्र हिन्दी कृतिदेव 010 या अंग्रेजी टाइम्स न्यू रोमन में स्वीकार किया जाएगा।
2. शोध सारांश अधिकतम 300 शब्दों का होना चाहिए तथा पूर्ण शोधपत्र 2500–3000 शब्दों का होना चाहिए।
3. शोधपत्र में दिए गए सह–लेखकों का पंजीयन भी अनिवार्य है।
4. संगोष्ठी में प्रतिभाग करने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा व्यय एवं अन्य व्यय देय नहीं होगा।
5. भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था आयोजक संस्था द्वारा किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bujhansi.ac.in पर देखा जा सकता है तथा सह आयोजक डॉ. कौशल त्रिपाठी (8353973918) एवं आयोजन सचिव डॉ. उमेश कुमार (9451537032) से संपर्क किया जा सकता है।

आयोजन समिति

मुख्य संरक्षक

प्रो. जे. वी. वैशम्पायन

कुलपति, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी।

संरक्षक

प्रो. देवेश निगम

अधिष्ठाता छात्र कल्याण

डा. मुन्ना तिवारी

समन्वयक, एनएसएस

संयोजक

डॉ. सी. पी. पैन्यूली

सह आचार्य, भास्कर जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी।

सह संयोजक

डॉ. कौशल त्रिपाठी

सहायक आचार्य,
भास्कर जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी।

आयोजन सचिव

डॉ. उमेश कुमार

सहायक आचार्य,
भास्कर जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी।

आयोजन संयुक्त सचिव

डॉ. मुहम्मद नईम,
जयसिंह, राघवेन्द्र दीक्षित,
अभिषेक कुमार, उमेश शुक्ल

राष्ट्रीय संगोष्ठी

महिला सशक्तिकरण और मीडिया

फरवरी 22–23, 2020

आयोजक

भास्कर जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी

प्रायोजक

राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली

प्रस्तावना

वर्तमान समय में महिलाएं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति प्रमाणित कर रही है। बदलते हुए समय में मीडिया महिलाओं की विशेषता का क्षेत्र बन जाए तो इसमें आश्चर्य नहीं होगा। आज यह प्रयोग न केवल भारत में ही बल्कि वैश्विक स्तर पर हो रहा है। अतः यह संकुचित नहीं बल्कि व्यापक रूप से स्वीकार्य माना जाने लगा है कि महिलाएं जीवन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगी। तभी वे संविधान में दिए गए सामाजिक न्याय की प्रतिपूर्ति, समता के सिद्धान्त एवं विषमताओं को दूर करने वाला होगा।

महिलाओं की पत्रकारिता के क्षेत्र में क्या भूमिका, सक्रियता और योगदान होगा? यह इस बात पर निर्भर करता है कि तत्कालीन समाज की आवश्यकताएं क्या है? इस दिशा में अब तक क्या कदम उठाए गए हैं? महिलाओं के विकास की नई दिशा क्या है? इसमें समाज की स्वीकार्यता और भागीदारी क्या है? इससे भूमिकाओं में बदलाव आ रहा है या नहीं? समाज, संविधान और उसकी संस्थाओं ने उन्हें किस रूप में स्वीकार किया है? स्वयं महिलाओं में इसे लेकर चेतना, उत्साह, प्रेरणा और आगे बढ़ने की उमंग और लालसा है या नहीं? वे वास्तव में किन प्रश्नों पर कितनी सार्थक सोच रखती है।

आज तो स्थिति यह हो गई है कि समाज का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं रह गया है जिसमें उनकी सार्थक उपस्थिति न हो। आज से कुछ समय पूर्व तक मीडिया में अँगुलियों पर गिनी जाने वाली महिलाएँ थीं। लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। मीडिया–जगत का ऐसा कोई विभाग नहीं जहां महिलाएं पूर्ण आत्मविश्वास और दक्षता से काम न कर रही हो। विगत वर्षों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और इंटरनेट पत्रकारिता की दुनिया में महिलाओं ने अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज कराई है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का प्रमुख कारण पत्रकारिता के लिए जिस आवश्यक संवेदनशीलता की जरुरत होती है वह महिलाओं में नैसर्गिक रूप से पाई जाती है। पत्रकारिता में एक विशिष्ट प्रकार की संवेदनशीलता की जरुरत होती है और समानांतर रूप से कुशलतापूर्वक अभिव्यक्त करने की भी। संवाद और संवेदना के सुनियोजित सम्मिश्रण का नाम ही सार्थक पत्रकारिता है। महिलाओं में संवाद के स्तर पर स्वयं को अभिव्यक्त करने का गुण भी पुरुषों की तुलना में अधिक बेहतर होता है। यही वजह रही है कि मीडिया में महिलाओं का गरिमामयी वर्चस्व निरन्तर बढ़ रहा है।

मीडिया में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के साथ ही महिला पत्रकारों के समक्ष नित नई चुनौतियां भी उपस्थित हो रहीं हैं। महिला पत्रकारों को एक ओर जहां परिवार के स्तर पर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है वहीं दूसरी ओर समाज और कार्यस्थल पर भी उनकी चुनौतियां कम नहीं है। इस संगोष्ठी का मुख्य विषयवस्तु एवं उद्देश्य ही महिला पत्रकारों की चुनौतियों का अध्ययन करना है। इसके साथ ही साथ महिलाओं की आजीविका संतुष्टि, कार्य समय, कार्यस्थल, शैक्षणिक स्थिति, सामाजिक स्थिति भी ज्ञात तथा महिला पत्रकारों की मनोवृत्ति का अध्ययन करना है।

मुख्य विषय

महिला सशक्तिकरण और मीडिया

उपविषय

1. मीडिया में महिलाओं का प्रस्तुतिकरण
2. मीडिया में महिलाओं की भागीदारी
3. महिला विषयवस्तु पर आधारित समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं
4. प्रेस कानून और महिला
5. मीडिया प्रबंधन और महिला
6. मीडिया के कार्यक्षेत्र में महिलाओं के लिए चुनौतियां
7. साइबर मीडिया और महिला कानून
8. महिला आधारित साइबर अपराध
9. सोशल मीडिया और महिला सशक्तिकरण

आपसे अनुरोध है की संगोष्ठी के उपरिलिखित उपविषय के अलावा मुख्य थीम से सम्बंधित अन्य विषयों को आधार बनाकर शोध पत्र भेजा जा सकता है। प्रस्तुत संगोष्ठी के चयनित आलेखों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। शोध सारांश एवं पूर्ण शोधपत्र ईमेल आईडी nationalseminarbimcj@gmail.com पर भेजा जा सकता है।

महत्वपूर्ण तिथियां

शोध सारांश प्रेषित करना–	25 जनवरी 2020
शोध सारांश की स्वीकृति–	28 जनवरी 2020
पंजीयन की अंतिम तिथि–	30 जनवरी 2020
पूर्ण शोध पत्र –	05 फरवरी 2020

पंजीयन शुल्क

शोधार्थी एवं विद्यार्थी–	200/– रुपए
शिक्षक एवं अन्य	250/– रुपए

आयोजन स्थल पर पंजीयन

शोधार्थी एवं विद्यार्थी–	250/– रुपए
शिक्षक एवं अन्य	300/– रुपए

ऑनलाइन पंजीयन शुल्क जमा करने हेतु

बैंक का नामः State Bank of India
खाताधारक का नामः Finance Officer, Bundelkhand University Jhansi (UP)
खाता संख्याः 10651533080
आईएफएससी कोडः SBIN0003808

विश्वविद्यालय के बारे में

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय की स्थापना 26 जुलाई 1975 को की गई। तब से यह विश्वविद्यालय बुन्देलखण्ड क्षेत्र के साथ ही साथ देश के विकास में अपना अहम् योगदान प्रदान कर रहा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में 34 विभाग तथा 100 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

संस्थान के बारे में

भास्कर जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान की स्थापना वर्ष 2002 में की गई थी। संस्थान से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, रेडियो, टेलीविजन चैनलों तथा विज्ञापन एवं जनसंपर्क संस्थानों में कार्यरत हैं। वर्तमान समय में संस्थान में स्नातक जनसंचार एवं पत्रकारिता, परास्नातक जनसंचार एवं पत्रकारिता, इलेक्ट्रानिक मीडिया में परास्नातक डिप्लोमा और पी–एच.डी. पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

झांसी कैसे पहुंचे–

झांसी सड़क मार्ग और रेलमार्ग से जुड़ा हुआ है। यहां सड़क मार्ग से लखनऊ से लगभग 300 किमी, भोपाल से 300 किमी तथा नई दिल्ली से 400 किमी दूरी पर स्थित है। रेलमार्ग से झांसी तक रेलवे स्टेशन तक पहुंचा जा सकता है। झांसी रेलवे स्टेशन से विश्वविद्यालय की दूरी महज 5 किमी है।